आर.एन.आई.नं. RAJBIL/2010/52404

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं, विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम् ।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्यं, वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम् ।।

# सेवा सौभाग्य

पू. कैलाश जी 'मानव'

मूल्य ▸ 5 वर्ष ▸ 13 अंक ▸ 165 मुद्रण तारीख ▸ 1 सितम्बर, 2025 कुल पृष्ठ ▸ 20

## महक के जज्बे को मिली जीत

जो रूक गये
जीवन में
उनको चलायें
देवें
कृत्रिम
अंग का
उपहार
कृपया मदद करें
Donate Now
एक कृत्रिम
अंग सहयोग
10,000/–
FOLLOW US
Narayan Seva Sansthan

# सेवा सौभाग्य

मूल्य ▸ 5 वर्ष ▸ 13
अंक ▸ 165 कुल पृष्ठ ▸ 20

मुद्रण तारीख ▸ 1 सितम्बर, 2025



**सम्पादक मंडल**

मार्ग दर्शक ▸ कैलाश चन्द्र अग्रवाल
सम्पादक ▸ प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग ▸ विष्णु शर्मा हितैषी
भगवान प्रसाद गौड़
डिजाइनर ▸ विरेन्द्र सिंह राठौड़



**सम्पर्क (कार्यालय)**

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva
Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

483, 'सेवाधाम' सेवा नगर
हिरण मगरी, सेक्टर-4,
उदयपुर ( राज. ) 313002, भारत
फोन नं. +91-294-6622222
वाट्सएप: +91-7023509999
Web ▸ www.spdtrust.org
E-mail ▸ info@spdtrust.org



Seva Soubhagya
Print Date 1 September, 2025
Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404
Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur -313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 20 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-


# CONTENTS

## इस माह में


पैरों पर खड़ी हुई दिव्यांग : गुड़िया — 06

हादसे के बाद आत्मनिर्भरता की राह — 08

मुस्कराएंगी 300 जिंदगियाँ — 09

जीवन को प्रतियोगिता में बनाए रखें — 10

भगवान के घर जैसा संस्थान:विरानी — 12

'साइबर किड्स' इंटर-स्कूल प्रश्नोत्तरी — 15

# मन को बनाएं शिव संकल्पी

**जिनका मन अनुशासित और सकारात्मक होगा, उन्हें कभी निराश नहीं होना पड़ेगा। मन के अद्भुत गुणों में से एक यह है कि इसे रूपांतरित किया जा सकता है। भीतर की अशांति से छुटकारा पाया जा सकता है।**

व्यक्ति को जीवन में कुछ सकारात्मक पहलुओं को सदैव ध्यान में रखना चाहिए, क्योंकि स्वयं को ऊपर उठाने का जब कोई मार्ग वह खोज नहीं पाता, तो उसके कुंठित होने का खतरा और बढ़ जाता है। जो विकल्प खोजने की दिशा में बाधक होता है। उसके मन में यह धारणा जमने लगती है कि कुछ भी अच्छा करने के लिए उसके पास क्षमता नहीं है। इस प्रकार नैराश्य का ताना–बाना उसे जकड़ लेता है। दरअसल ऐसा तब होता है, जब हम मुश्किलों के आगे पूरी तरह हारने के बिंदु तक पहुंच जाते हैं। असन्तोष का भाव हमें दबोच लेता है। यह स्थिति तब आती है, जब हालात को हम बेकाबू मान लेते हैं। ऐसे में यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि हम अपने मनोभाव को ऊपर उठाने का मार्ग बनाएं और यह विवेक और हौसले से ही संभव है। नकारात्मकता को अपने से एक दम दूर कर दें। नकारात्मक विचार और भावनाएं हमारी सबसे बुनियादी आकांक्षा में बाधा डालती हैं। इस बात को मैंने दिव्यांग भाई–बहिनों से प्रत्यक्ष बातचीत 'अपनों से अपनी बात' में कहा भी है।

नकारात्मक भावों अथवा मुश्किलों से दूर रहने के लिए मानव योनि में जन्म लेने के अपने सौभाग्य को याद करें। हम याद करें कि हमारे पास अपने माता–पिता, अभिभावक, हैं। मित्र–हित चिंतक हैं। हमसे स्नेह करने वाले बहुत लोग हैं। हमारे पास कुछ विशिष्टताएँ हैं, हमें अच्छी शिक्षा और संस्कार मिले हैं। हमारे पास प्रभु–कृपा से श्रम शक्ति है, खाने को भोजन, पहनने को वस्त्र और रहने के लिए घर है। जरूर हमने अतीत में कुछ परोपकारी कार्य किए हैं। ये सकारात्मक मनोभाव ही आपको चुनौतियों का सामना करने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे। जिनका मन अनुशासित और सकारात्मक होगा, उन्हें कभी निराश नहीं होना पड़ेगा। मन के अद्भुत गुणों में से एक गुण यह है कि इसे रूपांतरित किया जा सकता है। भीतर की अशांति से छुटकारा पाया जा सकता है।

हमारे वेदों में भी मन को बार–बार संकल्पशाली बनाने की बात कही गई है। मन को शिव की तरह दृढ़ संकल्पी बनाने से ही जीवन और समाज का कल्याण हो सकता है। जिसमें इस तरह की भावना नहीं, उसका जीवन न स्वयं को और न दूसरों को सन्तुष्ट रख सकता है। भगवान श्रीकृष्ण ने भी गीता में कहा है कि – 'दृढ़प्रतिज्ञ हुए बिना हम अपने शुभ कर्म में सफल नहीं हो सकते हैं।' बंधुओं! आज समस्या यही है कि हम सबकुछ समझौते से या गलत तरीके से हासिल करना चाहते हैं। इस स्थिति से उबरने का रास्ता क्या है? गीता में 'योगस्य कर्मसु कौशलम्' कहा गया है। यानी कर्मों की कुशलता ही योग है। कहने का तात्पर्य यह है कि हम कर्म की कुशलता का मर्म समझें। अपने जीवन दर्शन को विकृत होने से बचाएं। सूझबूझ, तरीका, सिद्धांत और नियम, हर जगह हम अपने को निरीह प्रकट करने की गलती कर रहे हैं। स्पष्ट है कि यह स्थिति हमारे व्यक्तित्व निर्माण और जीवन व्यवहार में बाधक है। कुल मिलाकर मन को साधने की चेष्टा होनी चाहिए।

**सेवक प्रशान्त भैया**

# सेवा श्रेष्ठ संस्कार

सेवा और सद्कर्म के प्रति समर्पण सदैव जीवन को सार्थक बनाने की सामर्थ्य देता है। अतएव हमेशा प्रभु से यही प्रार्थना करें कि हममें बुद्धि, विवेक व सेवा के संस्कार हमेशा बनें रहें। जिस व्यक्ति अथवा परिवार में ये संस्कार होंगे, उन पर कभी कोई संकट आ ही नहीं सकता। बौद्ध संघ के एक भिक्षु को कोई गंभीर रोग हो गया। उसकी हालत इतनी खराब हो गई कि वह चल–फिर भी नहीं सकता था और मल–मूत्र में लिपटा पड़ा रहता था। उसकी यह हालत देख उसके साथी भिक्षु भी उसके पास नहीं आते और घृणा से मुंह फेरकर, आसपास से निकल जाते थे। कुछ दिनों बाद बुद्ध को यह बात पता चली तो वे तत्काल अपने प्रिय शिष्य आनंद के साथ उस भिक्षु के पास पहुंचे। उसकी दयनीय दशा से उन्हें घोर कष्ट हुआ। उन्होंने भिक्षु से पूछा– तुम्हें क्या रोग हुआ है? भिक्षु बोला– भगवन ! मुझे पेट की बीमारी है। बुद्ध ने स्नेह से उसके सिर पर हाथ फेरते हुए प्रश्न किया– क्या तुम्हारी परिचर्या करने वाला कोई नहीं है? भिक्षु के उत्तर देने से पहले ही बुद्ध ने आनंद से कहा– पानी लेकर आओ। हम लोग पहले इसका शरीर स्वच्छ करेंगे। आनंद पानी लेकर आए। फिर बुद्ध ने भिक्षु के शरीर पर पानी डाला और आनंद ने उसके मल–मूत्र को साफ किया। अच्छी तरह धो–पोंछकर बुद्ध ने भिक्षु के सिर को पकड़ा और आनंद ने पैरों को। इस प्रकार उसे उठाकर चारपाई पर लिटा दिया। फिर बुद्ध ने सारे भिक्षुओं को एकत्रित कर उन्हें समझाया– भिक्षुओं ! तुम्हारे माता नहीं, पिता नहीं, भाई नहीं, बहन नहीं जो तुम्हारी सेवा करेंगे। यदि तुम परस्पर एक–दूसरे की सेवा और देखभाल नहीं करोगे तो फिर कौन करेगा? याद रखो, जो रोगी की सेवा करता है, वह ईश्वर की सेवा करता है। बुद्ध का यह सबसे बड़ा संदेश है, जो प्रत्येक देश, काल, परिस्थिति में प्रासंगिक है।

सेवा और सद्कर्म के प्रति समर्पण सदैव जीवन को सार्थक बनाने की सामर्थ्य देता है। अतएव हमेशा प्रभु से यही प्रार्थना करें कि हममें बुद्धि, विवेक व सेवा के संस्कार हमेशा बनें रहें। जिस व्यक्ति अथवा परिवार में ये संस्कार होंगे, उन पर कभी कोई संकट आ ही नहीं सकता। दूसरों के कष्ट में उनके साथ खड़े होना और हर संभव मदद करना सर्वोत्तम मानवीय धर्म है। जो इस धर्म का निर्वाह करता है वह श्रेष्ठतम मनुष्य कहलाता है। दीन–हीन, अशक्त, निराश्रित और रोगी के प्रति करुणा व सेवा के भगवान बुद्ध के इस भाव के मुताबिक ही आपके अपने नारायण सेवा संस्थान का भी वही उद्देश्य है। पिछले 40 वर्ष से संस्थान नर को नारायण मान कर सेवा के निःशुल्क प्रकल्पों का आपके सहयोग व समर्थन से संचालन कर रहा हैं। सेवा ही प्रत्येक देश, काल और परिस्थिति में प्रासंगिक और मानव–धर्म है।

**पूज्य श्री कैलाश 'मानव'**

# पैरों पर खड़ी हुई दिव्यांग : गुड़िया

बिहार के औरंगाबाद जिला निवासी गुड़िया जन्म से ही दाएँ पैर से दिव्यांग थीं। चलने के लिए उन्हें एक हाथ को घुटने पर टेककर संतुलन बनाना पड़ता था। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी, इसलिए इलाज कराना संभव नहीं हो पाया। दिव्यांगता का यह बोझ 28 वर्षों तक उनके जीवन में एक बड़ी चुनौती बना रहा। एक दिन किसी परिचित ने उन्हें नारायण सेवा संस्थान में निःशुल्क सर्जरी व कृत्रिम अंग लगाने की जानकारी दी। आशा की एक किरण समेटे गुड़िया परिवार के साथ उदयपुर स्थित संस्थान पहुँचीं। जहां उनके पांव का निःशुल्क ऑपरेशन सफलतापूर्वक हुआ। अब वह कैलिपर्स की सहायता से आराम से चल–फिर सकती हैं। गुड़िया को स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग केंद्र से व्यावसायिक प्रशिक्षण और स्वावलंबन का मार्ग भी मिला। सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त कर अब वह कपड़े सिलने में बहुत निपुण हो चुकी हैं और आत्मनिर्भर जीवन जी रही हैं। **गुड़िया कहती हैं** – "आज मैं अपने पैरों पर खड़ी हूँ, सपनों को साकार करने में जुटी हूँ। यह सब संस्थान और उससे संबद्ध भामाशाहों की वजह से संभव हो पाया है। मैं हृदय से उनका आभार मानती हूँ।"

# महक के जज्बे की जीत

महक की पहली किलकारी ही कठिनाइयों से रुबरु हुई। जन्म से ही उसके दोनों पैर मुड़े हुए थे। जन्मजात वह समाज की दया और सहानुभूति की पात्र थी। गोंडा, (उत्तर प्रदेश) की इस बच्ची को माता–पिता ने तत्काल अस्पतालों में बताया भी लेकिन हर जगह से मालिश की सलाह ही मिली। उम्र बढ़ती रही, कठिनाइयां भी बढ़ती गई। फिर उसे अस्पतालों में बताया जहाँ ऑपरेशन की सलाह के साथ खर्च इतना भारी बताया कि गरीब परिवार के लिए उसे उठाना कतई संभव नहीं था। बच्ची ठीक से चल ही नहीं पाती थी। जब कि वह भी सामान्य बच्चों की तरह दौड़–भाग और खेल–कूद करना चाहती थी। उसकी मासूम आंखों में सपने तो बहुत थे, लेकिन हर कदम पर उसका शरीर उसे निराश कर देता था। एक छोटी बच्ची के लिए यह सब सहना बेहद कठिन था। वह अक्सर मन ही मन सोचती – 'क्या मैं भी कभी दूसरों की तरह अपने पैरों पर चल पाऊंगी?' पर जहां चाह होती है, वहां राह भी बनती है। एक दिन महक के पिता को नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के बारे में जानकारी मिली। यह वह पल था जब डूबती आशाओं को उम्मीदों का किनारा मिला।

महक को लेकर परिवार उदयपुर पहुँचा। संस्थान के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने जाँच की और दो चरणों में ऑपरेशन की योजना बनी। करीब 5–6 महीने तक इलाज चला – दो ऑपरेशन, विजिंग, फिजियोथेरेपी और निरंतर देखभाल का लंबा सिलसिला। यह समय महक और उसके परिवार के लिए किसी परीक्षा से कम नहीं था।

लेकिन संघर्ष का अंत एक उजाले में बदला – वह दिन जब महक ने अपने सीधे हुए पैरों पर बिना किसी सहारे के पहला कदम बढ़ाया। उस पल उसकी आंखों से बहते आँसू उसकी तकलीफ के नहीं, बल्कि उसकी सपनो की विजय के प्रतीक थे।

आत्मविश्वास से भरपूर महक कहती है –'अब मैं अच्छे से चल सकती हूँ। नारायण सेवा संस्थान ने मुझे एक नई जिंदगी दी है। मैं दिल से धन्यवाद करती हूँ।' यह उस विश्वास और जज्बे की कहानी है जो हर कठिनाई से लड़ना जानता है। महक ने न सिर्फ चलना सीखा, बल्कि उड़ने का हौसला भी हासिल किया।

# हादसे के बाद रूपेश चले आत्मनिर्भरता की राह

रूपेश पंवार (30) की जिंदगी भी आम लोगों की तरह सपनों और आगे बढ़ने की उम्मीदों की ललक से भरपूर थी। लेकिन तीन साल पहले एक दर्दनाक मोड़ ने सब कुछ बदल दिया। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के रूपेश सड़क हादसे का शिकार हो गए। जख्म इतने गहरे थे कि डॉक्टरों को उनका दायां पैर घुटने से ऊपर तक काटना पड़ा। उनके लिए यह घटना किसी वज्रपात से कम नहीं थी। आत्मनिर्भर जीवन दूसरों पर निर्भर हो गया। हर छोटा–बड़ा काम किसी की मदद के बिना अब संभव नहीं था। आत्मविश्वास टूटने लगा और जीवन की दिशा धुंधली हो गई। अवसाद और कठिनाइयों के बीच एक दिन रूपेश को सोशल मीडिया से नारायण सेवा संस्थान के बारे में जानकारी मिली कि वह दिव्यांगों को निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रदान कर, उन्हें फिर से अपने पैरों पर खड़ा करता है। यह जानकारी उनके लिए अंधेरे के समंदर में 'लाईट हाउस' की तरह थी। वे तुरंत उदयपुर स्थित संस्थान पहुंचे। संस्थान में महज दो दिनों के भीतर उनके पैर का माप लिया गया और उन्हें कृत्रिम पैर पहनाया गया। जब उन्होंने पहली बार नारायण कृत्रिम पांव के सहारे कदम बढ़ाया, तो उनकी आँखों में चमक थी और होंठों पर शब्द थे –'अब मैं भी दूसरों की तरह अपने पैरों से चल सकता हूँ।'

संस्थान ने रूपेश को न सिर्फ चलने भर की ताकत दी, बल्कि आत्मनिर्भरता की राह भी दिखाई। संस्थान में निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से उन्होंने मोबाइल रिपेयरिंग का कोर्स शुरू किया। धीरे–धीरे उन्होंने इस तकनीक में दक्षता प्राप्त की और अब वे अपने गाँव जाकर खुद की मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान लगा परिवार को आर्थिक मजबूती प्रदान करने की योजना पर काम कर रहे हैं।

# अहमदाबाद में मुस्कराएंगी 300 जिंदगियाँ

नारायण सेवा संस्थान एवं (आईआर) इंगरसोल रैंड के संयुक्त तत्वावधान में 3 अगस्त को अहमदाबाद के श्री कच्छ कड़वा पटेल सनातन समाज, नरोडा में दिव्यांगजन के लिए निःशुल्क ऑपरेशन जांच–चयन और नारायण लिंब व केलिपर्स माप शिविर सम्पन्न हुआ। उद्घाटन मुख्य अतिथि गुजरात राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती धर्मिष्ठा जी गज्जर, इंगरसोल रैंड के एम.डी श्री सुनील जी खंडूजा, मुम्बई शाखा प्रमुख श्री महेश जी अग्रवाल, कैथल शाखा संयोजक डॉ.विवेक जी गर्ग और निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि शिविर में आना मेरा सौभाग्य है। संस्थान ईश्वर की पूजा के समान ही बहुत अच्छा कार्य कर रहा हैं। दिव्यांगों के समग्र विकास और इस शिविर की जानकारी प्रधानमंत्री तक अवश्य पहुंचेगी। उन्होंने शिविर सौजन्यकर्ता इंगरसोल रैंड की प्रशंसा करते हुए खंडूजा परिवार को सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि ने संस्थान संस्थापक पूज्य मानवजी,अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया और सम्पूर्ण संस्थान परिवार के प्रयासों को अभिनंदनीय बताते हुए कहा कि ऐसे संस्थान के हाथ मजबूत करने के लिए समाज को आगे आना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि इंगरसोल रैंड के निदेशक विश्वास जी देशमुख, डायरेक्टर लीडर सुरेन्द्र जी कुमार, ई. एच. एस लीडर मनोज जी घगारे, एच आर मैनेजर नरेन्द्र जी प्रजापति, एस.क्यू.डी.सप्लाई चेन हिमांशु जी श्रीवास्तव, प्रोक्यूमेंट एनालिस्ट अनिल जी हिरपरा, प्राइजिंग श्वेता जी परमार एवं प्रोक्यूमेंट स्पेशलिस्ट कल्याणी जी शिरोड़े उपस्थिति रहे। अतिथियों ने 12 व्हील चेयर का भी दिव्यांगों को वितरण किया।

इंगरसोल रैंड के एम.डी श्री सुनील जी खंडूजा ने कहा कि पिछले दिनों संस्थान के सेवा कार्यों को देख हम बहुत प्रभावित हुए हैं। आंखे नम हो गई। संस्थान दिव्यांगों की सेवा का जो कार्य कर रही है, उसके लिए हमारे पास कोई शब्द नहीं है। मैं दिव्यांग भाई–बहिनों को यही कहूंगा कि जीवन में कभी हार नहीं मानें और हिम्मत और जज्बा बनाएं रखें।

विजिट के दौरान समाजसेवी श्री मूलचंद जी प्रजापति, श्री यशपाल जी शेरा, श्री महेश पी शाह जी, श्री अनंत भाई पटेल और श्रीमती कमलेश डिंगरा सहित अन्य मेहमानों ने इस शिविर में भाग लेने आये दिव्यांगजन के उदगार सुने और डॉक्टर टीम से उपचार और लाभ पहुंचाने की प्रक्रिया भी जानी।

प्रारम्भ में निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल ने मुख्य अतिथि और मंचासीन अतिथियों का मेवाड़ की परंपरा अनुसार अभिनंदन किया। एवं संस्थान की 40 वर्षीय सेवायात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस शिविर में डॉक्टर व पीएंडओ टीम ने सभी दिव्यांगों को देखा और 252 दिव्यांगों का नारायण लिंब हाथ–पैर और 49 का कैलिपर्स लगाने के लिए मेजरमेंट लिया। करीब 21 दिव्यांगों का चयन शल्य चिकित्सा हेतु किया गया। शिविर प्रभारी श्री हरि प्रसाद लड्ढ़ा थे। संयोजन जितेंद्र शर्मा ने किया।

# जीवन को प्रतियोगिता में बनाए रखें भैया जी

संस्थान में 25 से 27 जुलाई तक 'अपनों से अपनी बात' कार्यक्रम में संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने कहा कि वही जीवन सफल है जो हमेशा प्रतियोगिता में बने रहता है। मानव योनि में जन्म लेना बड़े सौभाग्य की बात है। इसे व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। हमें स्वयं से प्रतियोगिता कर अपनी सुप्त प्रतिभा को जगाकर परिवार,समाज और राष्ट्र के कल्याण में उसका उपयोग करना है।

कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रान्तों से निःशुल्क दिव्यांगता सुधारात्मक सर्जरी एवं अत्याधुनिक कृत्रिम हाथ–पैर तथा कैलीपर लगवाने के लिए आए दिव्यांगजन व उनके परिजनों ने भाग लिया। कार्यक्रम का 'संस्कार' चैनल के माध्यम से देशभर में सीधा प्रसारण हुआ।

भैयाजी ने कहा कि जो व्यक्ति अपनी कमजोरियों को पहचान उन पर नियंत्रण करते हुए आत्म–विश्वास के साथ चुनौतियों का सामना करते हैं, वे महापुरुष बन जाते हैं। मन में सदा सेवा का भाव रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जीवन में हादसों, समस्याओं और चुनौतियों का सामना तो करना पड़ता है। लेकिन जब व्यक्ति आत्म विश्वास से खुद को बेहतर बनाने की ठान लेता है, तो सफलता उसके कदमों में होती है। निराशा व्यक्ति को तोड़ देती है। हमें अपने मन पर नियंत्रण रखना चाहिए। कई समस्याओं की जड़ मन ही है। अभावों और मुश्किलों के बादलों को छांटते हुए कई लोग बड़े काम कर जाते हैं। उनसे प्रेरणा लें। यदि हमारे शरीर में कोई शारीरिक विकृति अथवा कोई अंग कमजोर है तो ईश्वर ने दूसरी खूबियां भी इतनी दी हैं, जिनके माध्यम से जिंदगी को खुशहाल बनाया जा सकता है।

भैया ने कहा कि एक समय में अनेक कार्यों में उलझने के बजाय एक लक्ष्य तय कर उसे सतत प्रयासों से पूरा करना ही सफलता की कुंजी है। विफलता या पराजय केवल एक पड़ाव है, अंतिम परिणाम नहीं। कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। कार्यक्रम में नारायण चिल्ड्रन अकेडमी के बच्चों के भावपूर्ण गीत के साथ राजस्थान के झालावाड़ जिले के एक स्कूल की छत गिरने से मृत बालकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में व्यसन मुक्ति के लिए शपथ भी दिलाई गई।

**व्यथा -कथा** कार्यक्रम में दिव्यांगजन और उनके परिजनों की व्यथा –कथा पर वातावरण अत्यंत भावुक हो उठा –देवास (मप्र) से आई रेखा सहदेव ने बताया कि जन्म के बाद उनका बेटा अंशु कभी खड़ा नहीं हो सका। एक हाथ भी काम नहीं करता था। कई अस्पतालों में बताया लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ। यहां तक कि हाथ–पांव की नसों में खून जमने की बात कहते हुए एक अस्पताल में 16–16 हजार के इंजेक्शन भी लगे बावजूद इसके बच्चा खड़ा नहीं हो पाया। यहाँ आने पर बच्चे का ऑपरेशन हुआ और वह अब उठ–बैठ सकता है। बिना सहारे चलता भी है। संस्थान में चिकित्सा, दवा, भोजन, आवास आदि सभी सुविधाएं मिली। एक भी पैसा खर्च नहीं हुआ।

चित्तौड़गढ़ के बलवीर जाट और डूंगरपुर में कक्षा चौथी की छात्रा काव्या पाटीदार ने भी अपनी मार्मिक कथा–व्यथा बताई। बलवीर के दोनो पांव टखने के नीचे से मुड़े हुए थे, जो दो ऑपरेशन के बाद सामान्य स्थिति में आए जब कि काव्या की ऐड़ी में विकृति होने से उसे पावं को काफी ऊपर उठाकर कदम लेना पड़ता था। ऑपरेशन के बाद वह अब ठीक से चल लेती है। बड़गांव के दिव्यांग महेंद्र, उदयपुर के कमलेश, बिहार के प्रिंस कुमावत, उत्तर प्रदेश के हेमेंद्र और बड़ी सादड़ी के ललित मेघवाल ने जब अपने साथ हुए हादसों और उसके बाद के संघर्ष की जानकारी दी तो उपस्थित लोगों का ह्रदय द्रवित हो उठा। सेवक प्रशांत भैया ने कहा कि संस्थान उनके साथ हमेशा खड़ा है। वे दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ आगे बढ़े और संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों– प्रशिक्षणों तथा सरकारी योजनाओं से जिंदगी की राह को आसान बनाएं।

### पिता की आंखों से छलके आंसू

'अपनों से अपनी बात' कार्यक्रम भावनाओं और उम्मीदों का अद्‌भुत संगम था। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर की सलीना खातून (21) और उसके पिता फखरे आलम की मार्मिक आपबीती ने सभी की आंखें नम कर दीं। बेटी के इलाज के लिए कर्ज के बोझ तले दबे इस परिवार की राहत स्वरूप संस्थान ने आर्थिक सहायता की। सलीना खातून ने बताया कि कॉलेज से घर आते समय वह रेलवे पटरी पार कर रही थी कि उसका दुप्पट्टा निकट की झाड़ियों में फंस गया। वह उसे छुड़ा ही रही थी कि ट्रेन ने उसे चपेट में ले लिया, जिससे उसका एक हाथ और पांव कट गए। पिता फखरे आलम ने बताया कि हम बहुत गरीब परिवार के हैं बेटी के भविष्य को देखते हुए उसका इलाज एक बड़े अस्पताल में करवाया। खर्चा इतना था कि जमा पूंजी और खेत बेचने के बाद भी कर्ज लेना पड़ा। आज भी वे 4 लाख के कर्जदार हैं। जिससे मुक्ति के लिए लगता है कि जो जमीन बची है, उसे भी बेचना पड़ेगा। यह कहते हुए फखरे आलम की आंखों से आंसू टपक पड़े। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने उन्हें तत्काल कर्ज से उबरने के लिए आर्थिक सहायता स्वरूप चेक प्रदान किया। सलीना को संस्थान में आने पर अत्याधुनिक मॉड्यूलर कृत्रिम हाथ–पैर लगाए गए हैं। उन्होंने कार्यक्रम में चलकर और हाथ से काम करके भी बताया। उसने कहा कि वह पढ़ाई पूरी कर परिवार को गरीबी के अभिशाप से मुक्त करेगी।

# भगवान के घर जैसा संस्थान : विरानी

संस्थान के लियों का गुड़ा स्थित सेवा महातीर्थ में 3 अगस्त को 501 दिव्यांगजन की निःशुल्क शल्य चिकित्सा शिविर के उद्घाटन के साथ भामाशाह सम्मान समारोह संपन्न हुआ। जिसमें विभिन्न प्रांतों के सेवा–मनीषी व संस्थान की शाखों के प्रभारी मौजूद थे। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि समाजसेवी श्री भरत भाई विरानी मुंबई, श्री विजय कुमार जी दुबे, श्री अशोक जी दुबे व श्रीमती नीलम जी दुबे, बड़ौदा ने किया। श्री विरानी ने कहा कि संस्थान के सेवा प्रकल्पों को प्रत्यक्ष देखने पर यही कहा जा सकता है, यह भगवान का घर है, जहां पीड़ित मानवता की पूर्ण संकल्प और समर्पण के साथ सेवा हो रही है। सबसे बड़ा धर्म ही परमार्थ है। संस्थान के प्रारंभिक वर्षों के सहयोगी श्री रामदास जी दुबे परिवार के सदस्यों ने भी संस्थान के सेवा प्रकल्पों को ईश्वर की पूजा के समतुल्य बताया और संस्थापक पूज्य गुरुदेव कैलाश जी 'मानव', गुरु माता श्रीमती कमला देवी जी, सेवक प्रशांत भैया सहित पूरे परिवार को नमन किया। उन्होंने कहा कि विश्व में शायद ही ऐसी कोई संस्था हो ! यहां हरेक जरूरतमंद के जीवन को दिशा देने का काम हो रहा है। इस अवसर पर मीडिया प्रभारी विष्णु शर्मा हितैषी, यूनिट प्रभारी अनिल आचार्य, राकेश शर्मा, कृत्रिम अंग–कैलिपर प्रभारी डॉ. मानस रंजन साहू, नारायण चिल्ड्रन एकेडमी की प्रिंसिपल अर्चना गोलवलकर, मुम्बई शाखा प्रभारी ललित लोहार ने अतिथियों व भामाशाहों को सम्मानित किया। संचालन महिम जैन ने किया।

स्वावलम्बन

# निःशुल्क मोबाइल प्रशिक्षण

संस्थान में संचालित निःशुल्क रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण के तहत 24 जुलाई को मोबाईल सुधार प्रशिक्षण केंद्र के 51वें बेच का प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ। संस्थान निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल ने इन दिव्यांग एवं निर्धन प्रशिक्षणार्थियों को समापन समारोह में प्रमाण पत्र व मोबाईल सुधार किट भेंट किए। संचालन प्रशिक्षक श्री अर्जुन सिंह ने किया।

# 50 दिव्यांगों को सशक्तबनाने का संकल्प

हरटेक कार्यालय में सीईओ हरकीरत कौर और संस्थान की निदेशक पलक जी अग्रवाल

हरटेक फाउंडेशन चंडीगढ़ ने नारायण सेवा संस्थान (एनएसएस) के साथ साझेदारी कर 50 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग प्रदान करने का संकल्प लिया है। 26 जुलाई को एनएसएस की निदेशक सुश्री पलक जी अग्रवाल ने चंडीगढ़ में हरटेक फाउंडेशन की सीईओ हरकीरत कौर से मुलाकात कर संस्थान के 40 वर्षों से चल रहे निःशुल्क ऑपरेशन, कृत्रिम अंग वितरण, सहायक उपकरण उपलब्ध कराने और कौशल विकास जैसे मानवीय प्रयासों की जानकारी साझा की।

इन प्रकल्पों से प्रेरित होकर हरटेक फाउंडेशन ने 50 अंगविहीनों को पुनः चलने, आत्मनिर्भर बनने और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर देने का निर्णय लिया।

हरकीरत कौर ने कहा, 'यह पहल सामाजिक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि एनएसएस केवल दिव्यांगता नहीं, बल्कि समाज से पीछे छूटे हर व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य कर रहा है। पलक जी ने फाउंडेशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा, "यह साझेदारी सिर्फ सहयोग नहीं, बल्कि उपेक्षित जिंदगियों को आशा, आत्मबल और गरिमा लौटाने का संकल्प है।'

# समझी डाकघर की प्रणाली

नारायण चिल्ड्रन एकेडमी, उदयपुर के 160 बच्चों ने 26 जुलाई को चेतक सर्किल स्थित मुख्य डाकघर का अवलोकन किया एवं वहां की कार्यप्रणाली को समझा। एकेडमी प्रिंसिपल डॉ. अर्चना गोलवलकर के अनुसार डाकघर के श्री सहदेव व श्री सचिन कुमार ने बच्चों को घर-घर डाक पहुंचाने, पार्सल, स्पीड पोस्ट, बचत योजना आदि की जानकारी देते हुए इसके लिए उन्हें आवश्यक प्रपत्रों के नमूने भरकर बताए। बच्चों के साथ उनके शिक्षक आदिल कुमार, इशिता शेखावत व विक्रम कुमार थे।

# 'साइबर किड्स'

## इंटर–स्कूल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

संस्थान द्वारा संचालित निःशुल्क नारायण चिल्ड्रन एकेडमी द्वारा सेवामहातीर्थ, लियो का गुड़ा, में 21 जुलाई को "साइबर किड्स" इंटर–स्कूल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। सूचना प्रौद्योगिकी विषय पर आधारित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में डिजिटल जागरूकता, वैज्ञानिक सोच और प्रतिस्पर्धी भावना को प्रोत्साहित करना था।

प्रतियोगिता में उदयपुर के 16 आरबीएसई और सीबीएसई सरकारी एवं निजी विद्यालयों के छठी से आठवीं कक्षा के 236 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिसमें सेंट्रल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रथम और मिकाडो ग्लोबल स्कूल उपविजेता रहे।

मुख्य अतिथि मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्री दीपक जी गौड़, विशिष्ट अतिथि श्री नरेश चंद्र जी अग्रवाल एवं श्री रामनिवास जी,समारोह अध्यक्ष नारायण सेवा संस्थान की निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ समारोह का शुभारम्भ हुआ।

जिला शिक्षा अधिकारी गौड़ ने विद्यार्थियों को तकनीक का जिम्मेदारी से उपयोग करने की प्रेरणा दी, जबकि निदेशक वंदना जी ने प्रतिभागियों को शुभकामना के साथ चयनित छात्रों को उच्च शिक्षा में सहयोग का आश्वासन दिया।

प्रतियोगिता का संचालन कक्षा आठ की छात्रा दृष्टि डांगी ने किया। क्विज मास्टर्स किशन शर्मा, अनित यादव एवं इशिता ेखावत ने प्रश्नोत्तरी संपन्न करवाने में सहयोग किया।

विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने इसे ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी अनुभव बताया। नारायण चिल्ड्रन अकेडमी की प्राचार्य डॉ. अर्चना गोलवलकर ने अतिथियों व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

# झीनी झीनी रोशनी – 76

आम तौर पर सेवा कार्यों का पैमाना इस स्तर का हो जिस स्तर पर कैलाश जी काम कर रहे थे तो उसके लिये कोई संगठन या संस्था आवश्यक होती थी मगर यह आश्चर्य की बात थी कि तब कैलाश जी की न कोई संस्था थी न ही कोई रसीद बुक। ये 5–7 लोग आपस में मिलकर ही निर्णय लेते और उन्हें कार्यरूप में परिणित करते। इनके कार्यों से प्रभावित होकर सेन्ट्रल स्कूल के प्रिन्सिपल आर.डी. दीक्षित भी सक्रिय रूप से इनसे जुड़ गये।

खाना बनाने की व्यवस्था हो गई तो अब समस्या यह उत्पन्न हुई कि इसके वितरण का कार्य कौन करेगा। कैलाश जी को प्रतिदिन कार्यालय जाना पड़ता था, उनके लिये यह संभव नहीं था। गिरधारी जी ने भी प्रेस खोल ली थी, वह भी व्यस्त हो गए थे। इनकी टोली में रेल्वे में कार्यरत टी.जी. पागे भी थे। वे भोजन वितरण का जिम्मा उठाने को तैयार हो गये। पागे सोहनलाल जी विजयवर्गीय के घर से खाना उठाते तथा अस्पताल में हर रोगी के बिस्तर तक जाकर खाना पहुँचाने का कार्य करने लगे।

धीरे–धीरे कार्य नियमित हो गया। कैलाश जी को या अन्य साथियों को भी जब–तब समय मिलता तो वे भोजन वितरण के कार्य में हाथ बंटाते।

कुछ दिनों पश्चात् कैलाश जी को एक व्यक्ति मिला। उसकी बातें सुन कैलाश जी आश्चर्यचकित रह गए और प्रसन्न भी हुए। इस व्यक्ति ने बताया कि सेटेलाइट अस्पताल में भोजन वितरण के कार्य से प्रेरणा लेकर उसने भी अपने गांव के अस्पताल में भोजन वितरण का कार्य शुरू कर दिया है। कैलाश जी इस व्यक्ति को नहीं जानते थे, उन्होंने पूछ लिया– मैं तो आपसे मिला भी नहीं, फिर आप मुझे कैसे जानते हो? तब व्यक्ति ने बताया कि वह कुछ दिनों तक सेटेलाइट हॉस्पिटल में भर्ती रहा था। उसने कैलाश जी व साथियों को रोगियों की सेवा करते और उन्हें भोजन कराते देखा तो बहुत खुशी हुई । इसी से प्रेरणा लेकर उसने अपने गांव में भी यह कार्य शुरू कर दिया।

समय पंख लगा कर उड़ता रहा। कैलाश जी की सेवा कार्यों व भक्ति भाव की सभी गतिविधियां नियमित रूप से चलती रही। इस कारण धीरे–धीरे उनकी लोकप्रियता भी बढती रही, विनम्र व्यवहार और सह्रदयता के कारण उनकी एक विशिष्ठ छवि बनने लगी । उनके विभाग के सभी कर्मचारी और अधिकारी उनसे प्रभावित थे, इस कारण उन्हें छुट्टियां भी मिल जाती थीं।

# भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

## राजस्थान

**पाली**
श्री कांतिलाल मूथा,
मो. 07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

**भीलवाड़ा**
श्री शिव नारायण अग्रवाल
मो. 09829769960
C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा–311001

**बहरोड़**
डॉ. अरविन्द गोस्वामी
मो. 09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला, मो. 8952859514, लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

**अलवर**
श्री आर.एस. वर्मा
मो. 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल, 35 लादिया, बाग अलवर

**जयपुर**
श्री नन्द किशोर बत्रा,
मो. 09828242497
5–C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़, झोटवाड़ा, जयपुर 302012

**अजमेर**
श्री सत्य नारायण कुमावत,
मो. 09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज, किशनगढ़, अजमेर

**बूंदी**
श्री गिरधिर गोपाल गुप्ता,
मो. 09829960811,
ए. 14, 'गिरधर–धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

## झारखण्ड

**हजारीबाग**
श्री डूंगरमल जैन
मो.–09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड सदर थाना गली, हजारीबाग

**रामगढ़**
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी
मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

**धनबाद**
श्री गोपाल कुमार खेडिया,
मो. 09608529923,
आजाद नगर भूलीनगर

## मध्य प्रदेश

**रतलाम**
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 09752492233,
मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम

**जबलपुर**
श्री आर. के. तिवारी,
मो. 09926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, रामदड़िया ग्रीन सिटी, माढ़ोताल, जिला – जबलपुर

**भोपाल**
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136
ए–3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर रेल्वे क्रॉसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला – भोपाल

**बखतगढ़**
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,
मो. 06989609714, बखतगढ़, त.–बदनावर, जि.–धार

## महाराष्ट्र

**आकोला**
श्री हरिश जी,
मो. 09422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

**परभणी**
श्रीमती मंजु दरड़ा
मो. 09422876343

**नांदेड़**
श्री विनोद लिंबा राठोड़,
मो. 07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम, मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला – नांदेड़

**पाचोरा**
श्री सीताराम जी
मो. 09422775375

**मुम्बई**
श्रीमती रानी दुलानी
मो. 028847991, 9029643708,
10–बीच्वी, वाईसराय पार्क, ठाकुर विलेज कान्दीवली, मुम्बई

**भायंदर**
श्री कमलचंद लोढ़ा,
मो. 8080083655 ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे–401101

## हिमाचल प्रदेश

**हमीरपुर**
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,
मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट–बिघरी, त. बड़सर जिला हमीरपुर – 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया मो. 09418061161, जामलीधाम, पोस्ट–टोपा, जिला–हमीरपुर–177001

## हरियाणा

**कैथल**
डॉ. विवेक गर्ग
मो. 9996990807
गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662
3 68–ए, नई अनाज मंडी, कैथल

**जुलाना मण्डी**
श्री मनोज जिन्दल
मो. 9813707878
108 अनाज मण्डी, जुलाना, जींद

**पलवल**
श्री वीर सिंह चौहान
मो. 09991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर–14, पलवल

**फरीदाबाद**
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657
कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

**करनाल**
डॉ. सतीश शर्मा
मो. 09416121278
ओपीपी. गली नंबर 19, गोविंद डेयरी मेन रोड करण विहार नियर मेरठ रोड करनाल 132001

**अम्बाला**
श्री मुकुट बिहारी कपूर
मो. 08929930548
मकान नं.– 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट–133001

**नरवाना**
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014 165–हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जीन्द

## गोवा

**गोवा**
श्री अमृत लाल दोषी,
मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा–403601

## गुजरात

**अहमदाबाद**
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,
मो. 09274595349
म.नं.रू बी–77, गोल्डन बंग्लो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

## उत्तर प्रदेश

**बरेली**
श्री कुंवरपाल सिंह पुंडीर
मो. 9458681074
विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला–बरेली
श्री विजय नारायण शुक्ला मो. 7060909449,
मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली

**हाथरस**
श्री दास बृजेन्द्र,
मो.–09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन, सादाबाद

**हापुड़**
श्री मनोज कंसल
मो.–09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस, कबाड़ी बाजार, हापुड़

**गजरौला, अमरोहा**
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा मो.–08791269705 बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट, गजरौला, अमरोहा–244235

## छत्तीसगढ़

**दीपका, कोरबा**
श्री सूरजमल अग्रवाल
मो. 09425536801

श्री देवनाथ साहू
मो. 09229429407
गांव– बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला–कोरबा

**बिलासपुर**
डॉ. योगेश गुप्ता,
मो.–09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर

**बालोद**
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000
रामदेव चौक बालोद जिला–बालोद

## जम्मू/कश्मीर

**जम्मू**
श्री जगदीश राज गुप्ता,
मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52–सी अपर शिव शक्ति नगर जम्मू–180001

## दिल्ली

**शाहदरा**
श्री विशाल अरोड़ा
मो. 08447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा
मो.0 9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स प्ट६1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास, शाहदरा

# नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

### महाराष्ट्र

**मुम्बई**

मो. 09529920090,07073452174
09529920088 फ्लेट नं. 5/ई
सुनील कुमार डोकानिया, न्यु ओस्वाल ओनिक्स, जैसल पार्क, भायन्दर ईस्ट थाने, 401105

**पूणे**

मो. 09529920093
17/153 मेन रोड़, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे–16

### दिल्ली

**रोहिणी**

मो. 08588835718, 08588835719,
बी–4/232 शिव शक्ति मंदिर के पास, सेक्टर–8
रोहिणी, दिल्ली–110085

**जनकपुरी, नई दिल्ली**

07023101156, 07023101167
सी2/287, 4 फ्लोर, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058

**विकासपुरी, नई दिल्ली**

मो. 09257017592
मकान नं. 342 ब्लॉक–सी, मद्रासी मन्दिर के पास विकासपुरी 110018

### हरियाणा

**गुरूग्राम**

मो. 08306004802,
हाउस नं.–1936 जीए, गली नं.–10, राजीव नगर ईस्ट, माता रोड़, सी. आर.पी.एफ. केम्प चौक, गुरुग्राम – 122001

**हिसार**

मो. 9257017593, मकान न. 2249, सेक्टर–14, हिसार 125005

### (कर्नाटक)

**बेंगलूरू**

मो. 09341200200,
नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुडी, बेंगलुरु–560004

### बिहार

**पटना**

मो. 7412060405
मकान नं.–23, किताब भवन रोड़ नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना–13

### उत्तर प्रदेश

**मेरठ**

मो. 08306004811
38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड़, नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम, मेरठ

**लखनऊ**

मो. 09351230395,09351230393
फ्लेट नम्बर 202, गुरुकृपा अपार्टमेंट न्यू श्रीनगर आलमबाग लखनऊ 226005 (उ.प्र.)

### पंजाब

**लुधियाना**

मो. 07023101153
381/382, बी–17, गुलाटी डांस क्लास के पास, भारत नगर, लुधियाना 141001

**चण्डीगढ़**

मो. 07073452176, 08949621058
मकान नंबर 3468 ग्राउंड फ्लोर, सेक्टर – 46–सी, चंडीगढ़–160047

### वेस्ट बंगाल

**कोलकाता**

09529920097, मकान नं.– 216, बांगुर एवेन्यू, ब्लॉक–बी, ग्राउण्ड फ्लोर, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) पिन कोड–700055

### गुजरात

**सूरत**

मो. 09529920082
27, सम्राट टाऊनशिप, सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

**वडोदरा**

मो. 09529920081
म. नं.रू 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोड़िया रोड, वडोदरा –390019

**अहमदाबाद**

मो. 09529920080, 08306008208
7/ए कपील कुंज सोसायटी विजय नगर के पास, मेट्रो स्टेशन नारंगपुरा, अहमदाबाद (गुजरात) 380016

### राजस्थान

**जोधपुर**

मो. 08306004821
जूनी बागर, महामन्दिर जोधपुर (राज) 342001

**कोटा**

मो. 07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं. 2–बी–5 तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

# नारायण नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

### उत्तर प्रदेश

**हाथरस**

मो. 07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड़, हाथरस

**मथुरा**

मो. 07073474438
मकान नं. 212/53, राधानगर, भारत पेट्रोलियम अधिकारी आवास बिल्डिंग, मथुरा (उ.प्र.)

**अलीगढ़**

मो. 07023101169
एम.आई.जी. –48 विकास नगर, आगरा रोड़, अलीगढ़

## दानवीर भामाशाह

स्व. श्री सुन्दर सिंह पुंडीर
सिरमौर ( हिमाचल प्रदेश )

### उत्तर प्रदेश

**गाजियाबाद**

मो. 07073474435
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरपी सेंटर, बी.–350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद – 201009

**लोनी**

मो. 07023101163
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

**आगरा**

मो. 07023101174
मकान न. 8/153, ई–3, न्यू लॉयर कॉलोनी, पानी की टंकी के पीछे, आगरा (उत्तर प्रदेश)

### छत्तीसगढ़

**रायपुर**

मो. 07869916950
मीरा जी राव, म.नं.–29/500 टीवी टावर रोड़, गली नं.–2, फेस–2 श्रीरामनगर, पो.–शंकरनगर रायपुर, (छ.ग.)

### गुजरात

**राजकोट**

मो. 09529920083
बी–33, शिव शक्ति कोलोनी, जेटको टावर के सामने, यूनिवर्सिटी रोड़, राजकोट 360005

### उत्तराखण्ड

**देहरादून**

मो. 07023101175
साई लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट, शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

### दिल्ली

**फतेहपुरी**

मो. 08588835711, 07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी, दिल्ली–6

**शाहदरा**

बी–85, ज्योति कोलोनी, दुर्गापुरी चौक, शाहदरा

### मध्य प्रदेश

**इन्दौर**

मो. 09529920087
12, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर–452018

### हरियाणा

**अम्बाला**

मो. 07023101160
सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर–7 अम्बाला

**कैथल**

मो. 08696002432,7023101166
फ्रेंड कॉलोनी, गली नम्बर 3 करनाल रोड़, हनुमान वाटिका के पास कैथल (हरियाणा)

### राजस्थान

**जयपुर**

मो. 09529920089
बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेन्टर बी–50–51 सनराईज सिटी, मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा, जयपुर

### तेलंगाना

**हैदराबाद**

मो. 09573938038
लीलावती भवन, 4–7–122/123 इसामिया बाजार, कोठी, संतोषी माता मंदिर के पास, हैदराबाद –500027

# अपने परिचितों, परिजनों अथवा स्वयं के जन्मोत्सव, वैवाहिक वर्षगांठ के साथ पुण्यात्माओं की पुण्यतिथि को बनाएं यादगार...

## जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

| ऑपरेशन संख्या | सहयोग राशि | ऑपरेशन संख्या | सहयोग राशि |
|---|---|---|---|
| 501 ऑपरेशन के लिए | 17,00,000 रू. | 40 ऑपरेशन के लिए | 1,51,000 रू. |
| 401 ऑपरेशन के लिए | 14,01,000 रू. | 13 ऑपरेशन के लिए | 52,500 रू. |
| 301 ऑपरेशन के लिए | 10,51,000 रू. | 5 ऑपरेशन के लिए | 21,000 रू. |
| 201 ऑपरेशन के लिए | 07,11,000 रू. | 3 ऑपरेशन के लिए | 13,000 रू. |
| 101 ऑपरेशन के लिए | 03,61,000 रू. | 1 ऑपरेशन के लिए | 5,000 रू. |

## दो जून की रोटी के लिए बेबस निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

| आजीवन भोजनध्नाश्ता सहयोग मित्ति ( वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग एवं निर्धनों के लिए सहयोग हेतु मदद ) | |
|---|---|
| नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि | 37,000 रू. |
| दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि | 30,000 रू. |
| एक समय के भोजन की सहयोग राशि | 15,000 रू. |
| नाश्ता सहयोग राशि | 7,000 रू. |

## दुर्घटनाग्रस्त अंगविहीन एवं दिव्यांगों को दें कृत्रिम अंग का उपहार

| वस्तु | एक नग सहयोग | तीन नग सहयोग | पांच नग सहयोग | ग्यारह नग सहयोग |
|---|---|---|---|---|
| कृत्रिम अंग ( हाथ-पैर ) | 10,000 रू. | 30,0000 रू. | 50,0000 रू. | 1,10,000 रू. |
| तिपहिया साईकिल | 5,000 रू. | 15,000 रू. | 25,000 रू. | 55,000 रू. |
| व्हील चेयर | 4,000 रू. | 12,000 रू. | 20,000 रू. | 44,000 रू. |
| कैलिपर | 2,000 रू. | 6,000 रू. | 10,000 रू. | 22,000 रू. |
| वैशाखी | 500 रू. | 1,500 रू. | 2,500 रू. | 5,500 रू. |

## आशा की नई उड़ान रखने वाले दिव्यांगजनों को बनाएं आत्मनिर्भर

| मोबाइल/कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि | |
|---|---|
| 1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 7,500 रू. | 3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 22,500 रू. |
| 5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 37,500 रू. | 10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 75,000 रू. |
| 20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 1,50,000 रू. | 30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 2,25,000 रू. |

## शिक्षा से वंचित आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने में करें मदद

| | |
|---|---|
| एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग | 1,100 रू. |
| एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग | 11,000 रू. |
| एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग ( 6 से 18 वर्ष ) | 1,00,000 रू. |

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI
Google Pay PhonePe Paytm
narayanseva@sbi

अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान के नाम से संस्थान के खाते में जमा करवाकर हमें सूचित करें

# नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

राजस्थान का कश्मीर कही जाने वाली झीलों की नगरी उदयपुर से 15 कि.मी दूर अरावली पर्वतमाला की सुरम्य वादियों के आंचल में लियों का गुड़ा गांव स्थित नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ परिसर में नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान कर रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे तथा इन रोगों को अपनी नियती मानकर अभिशप्त जीवन जी रहे थे। ऐसे ही निराश महानुभावों को संस्थान में पधार कर स्वास्थ लाभ लेने का सादर आमंत्रण है।

**एक बार अवश्य पधारें**

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय: 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर ( राज. ) 313002, भारत

Seva Soubhagya Print Date 1 September, 2025 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur -313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages-20 (No. of copies printed 1,50,000) cost-Rs.5/-